



Mr. ??? ?????

20 Nov 2025

04:00 PM

Delhi

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 120250602

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : पुल्लिंग
 20/11/2025 : _____ जन्म तिथि _____ : 20/11/2025
 गुरुवार : _____ दिन _____ : गुरुवार
 घंटे 16:00:00 : _____ जन्म समय _____ : 16:00:00 घंटे
 घटी 22:59:48 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 22:59:48 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Delhi : _____ स्थान _____ : Delhi
 उत्तर 28:39:00 : _____ अक्षांश _____ : 28:39:00 उत्तर
 पूर्व 77:13:00 : _____ रेखांश _____ : 77:13:00 पूर्व
 पूर्व 82:30:00 : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:21:08 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:21:08 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 06:48:04 : _____ सूर्योदय _____ : 06:48:04
 17:25:30 : _____ सूर्यास्त _____ : 17:25:30
 24:13:10 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 24:13:10
 मेष : _____ लग्न _____ : मेष
 मंगल : _____ लग्न लग्नाधिपति _____ : मंगल
 वृश्चिक : _____ राशि _____ : वृश्चिक
 मंगल : _____ राशि-स्वामी _____ : मंगल
 अनुराधा : _____ नक्षत्र _____ : अनुराधा
 शनि : _____ नक्षत्र स्वामी _____ : शनि
 1 : _____ चरण _____ : 1
 अतिगण्ड : _____ योग _____ : अतिगण्ड
 किंस्तुघ्न : _____ करण _____ : किंस्तुघ्न
 ना-नवीन : _____ जन्म नामाक्षर _____ : ना-नन्दिता
 वृश्चिक : _____ सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____ : वृश्चिक
 विप्र : _____ वर्ण _____ : विप्र
 कीटक : _____ वश्य _____ : कीटक
 मृग : _____ योनि _____ : मृग
 देव : _____ गण _____ : देव
 मध्य : _____ नाड़ी _____ : मध्य
 सर्प : _____ वर्ग _____ : सर्प
 0 : _____ गत/तत्कालिक वर्ष _____ : 1



FUTUREPOINT
Astro Solutions



जन्म - विवरण

वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
अश्विनी	3	09:32:52	मेष			लग्न			मेष	09:32:52	3	अश्विनी
अनुराधा	1	04:08:07	वृश्चि			सूर्य			वृश्चि	04:08:07	1	अनुराधा
अनुराधा	1	05:48:58	वृश्चि			चंद्र			वृश्चि	05:48:58	1	अनुराधा
ज्येष्ठा	1	17:17:30	वृश्चि	अ		मंगल	अ		वृश्चि	17:17:30	1	ज्येष्ठा
अनुराधा	1	04:01:30	वृश्चि	व	अ	बुध	व	अ	वृश्चि	04:01:30	1	अनुराधा
पुनर्वसु	4	00:48:18	कर्क	व		गुरु	व		कर्क	00:48:18	4	पुनर्वसु
विशाखा	1	22:42:15	तुला			शुक्र			तुला	22:42:15	1	विशाखा
पूर्वाभाद्रपद	4	00:59:29	मीन	व		शनि	व		मीन	00:59:29	4	पूर्वाभाद्रपद
पूर्वाभाद्रपद	1	21:10:49	कुंभ	व		राहु	व		कुंभ	21:10:49	1	पूर्वाभाद्रपद
पूर्वाफाल्गुनी	3	21:10:49	सिंह	व		केतु	व		सिंह	21:10:49	3	पूर्वाफाल्गुनी
कृतिका	3	05:16:17	वृष	व		मु			मेष	09:32:52	3	अश्विनी

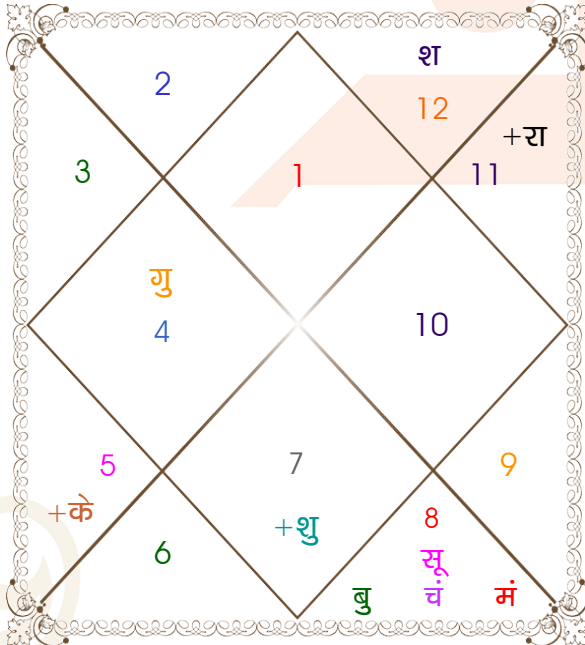
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

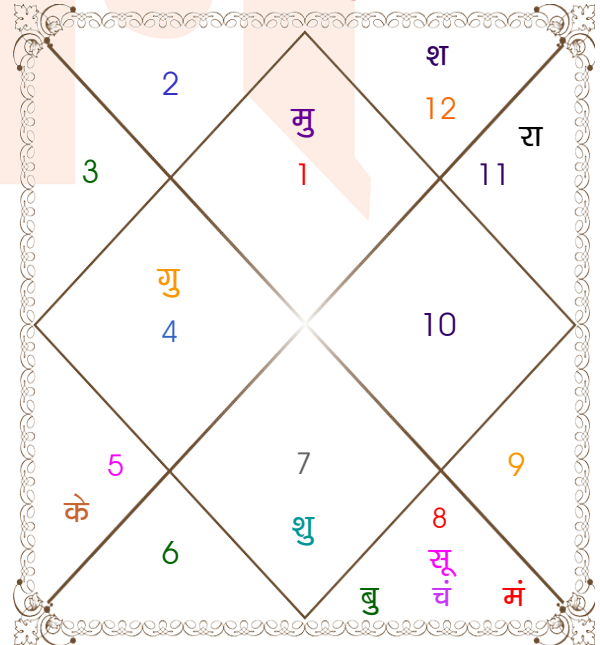
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:10

लग्न-चलित



वर्ष लग्न कुंडली



विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शनि - बुध - केतु	शनि - बुध - शुक्र	शनि - बुध - सूर्य	शनि - बुध - चंद्र
20/11/2025 16:00	23/11/2025 20:50	06/05/2026 17:22	24/06/2026 21:07
23/11/2025 20:50	06/05/2026 17:22	24/06/2026 21:07	14/09/2026 19:23
00/00/0000 00:00	शुक्र 21/12/2025 04:15	सूर्य 09/05/2026 04:21	चंद्र 01/07/2026 16:58
00/00/0000 00:00	सूर्य 29/12/2025 08:53	चंद्र 13/05/2026 06:40	मंगल 06/07/2026 11:40
00/00/0000 00:00	चंद्र 12/01/2026 00:36	मंगल 16/05/2026 03:29	राहु 18/07/2026 18:37
00/00/0000 00:00	मंगल 21/01/2026 13:59	राहु 23/05/2026 12:27	गुरु 29/07/2026 16:47
00/00/0000 00:00	राहु 15/02/2026 03:52	गुरु 30/05/2026 01:45	शनि 11/08/2026 16:06
00/00/0000 00:00	गुरु 09/03/2026 00:12	शनि 06/06/2026 20:32	बुध 23/08/2026 06:39
00/00/0000 00:00	शनि 03/04/2026 22:51	बुध 13/06/2026 19:40	केतु 28/08/2026 01:21
20/11/2025 16:00	बुध 27/04/2026 03:58	केतु 16/06/2026 16:30	शुक्र 10/09/2026 17:04
बुध 23/11/2025 20:50	केतु 06/05/2026 17:22	शुक्र 24/06/2026 21:07	सूर्य 14/09/2026 19:23
शनि - बुध - मंगल	शनि - बुध - राहु	शनि - बुध - गुरु	शनि - बुध - शनि
14/09/2026 19:23	11/11/2026 03:46	07/04/2027 15:02	16/08/2027 17:03
11/11/2026 03:46	07/04/2027 15:02	16/08/2027 17:03	19/01/2028 08:57
मंगल 18/09/2026 03:40	राहु 03/12/2026 06:39	गुरु 25/04/2027 02:30	शनि 10/09/2027 08:34
राहु 26/09/2026 18:08	गुरु 22/12/2026 22:33	शनि 15/05/2027 20:38	बुध 02/10/2027 09:50
गुरु 04/10/2026 09:39	शनि 15/01/2027 06:57	बुध 03/06/2027 10:19	केतु 11/10/2027 11:45
शनि 13/10/2026 11:34	बुध 05/02/2027 04:20	केतु 11/06/2027 01:50	शुक्र 06/11/2027 10:24
बुध 21/10/2026 14:34	केतु 13/02/2027 18:48	शुक्र 02/07/2027 22:10	सूर्य 14/11/2027 05:12
केतु 24/10/2026 22:51	शुक्र 10/03/2027 08:41	सूर्य 09/07/2027 11:28	चंद्र 27/11/2027 04:31
शुक्र 03/11/2026 12:15	सूर्य 17/03/2027 17:38	चंद्र 20/07/2027 09:38	मंगल 06/12/2027 06:27
सूर्य 06/11/2026 09:04	चंद्र 30/03/2027 00:35	मंगल 28/07/2027 01:09	राहु 29/12/2027 14:50
चंद्र 11/11/2026 03:46	मंगल 07/04/2027 15:02	राहु 16/08/2027 17:03	गुरु 19/01/2028 08:57
शनि - केतु - केतु	शनि - केतु - शुक्र	शनि - केतु - सूर्य	शनि - केतु - चंद्र
19/01/2028 08:57	11/02/2028 23:42	19/04/2028 10:59	09/05/2028 16:46
11/02/2028 23:42	19/04/2028 10:59	09/05/2028 16:46	12/06/2028 10:24
केतु 20/01/2028 18:01	शुक्र 23/02/2028 05:35	सूर्य 20/04/2028 11:16	चंद्र 12/05/2028 12:14
शुक्र 24/01/2028 16:28	सूर्य 26/02/2028 14:33	चंद्र 22/04/2028 03:45	मंगल 14/05/2028 11:27
सूर्य 25/01/2028 20:49	चंद्र 03/03/2028 05:29	मंगल 23/04/2028 08:05	राहु 19/05/2028 12:54
चंद्र 27/01/2028 20:02	मंगल 07/03/2028 03:57	राहु 26/04/2028 08:57	गुरु 24/05/2028 00:51
मंगल 29/01/2028 05:06	राहु 17/03/2028 06:50	गुरु 29/04/2028 01:43	शनि 29/05/2028 09:03
राहु 01/02/2028 18:07	गुरु 26/03/2028 06:44	शनि 02/05/2028 06:38	बुध 03/06/2028 03:45
गुरु 04/02/2028 21:41	शनि 05/04/2028 23:07	बुध 05/05/2028 03:27	केतु 05/06/2028 02:59
शनि 08/02/2028 15:25	बुध 15/04/2028 12:31	केतु 06/05/2028 07:48	शुक्र 10/06/2028 17:55
बुध 11/02/2028 23:42	केतु 19/04/2028 10:59	शुक्र 09/05/2028 16:46	सूर्य 12/06/2028 10:24

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्येश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकार्यों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकांश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथा:-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे ।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजन्मषोर्बलमस्य चिन्त्यम् ।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः ।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे ॥

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे एवं शत्रु पक्ष को पराजित करने में समर्थ रहेंगे। अतः चुनाव, मुकद्दमे या प्रतियोगी परीक्षाओं में इस समय आपको विशिष्ट सफलता या विजय मिल सकती है। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि के लिए यह वर्ष उत्तम रहेगा तथा स्त्री एवं संतति पक्ष से आपको इच्छित सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही आपसी संबंधों में भी मधुरता रहेगी। फलतः दाम्पत्य जीवन में भी प्रसन्नता रहेगी। मित्रों एवं बन्धुवर्ग से इस समय आप वांछित लाभ एवं सहयोग अर्जित करेंगे तथा आप भी उनकी सहायता के लिए तत्पर रहेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता की दृष्टि से वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति तथा विस्तार होगा। साथ ही नवीन कार्य भी प्रारंभ हो सकता है एवं लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी। सेना अथवा पुलिस विभाग में आपको उच्च पद प्राप्त हो सकता है। इसके साथ ही समाज में आपका मान सम्मान तथा यश व्याप्त रहेगा तथा सभी लोग आपके प्रभाव तथा पराक्रम को स्वीकार करेंगे एवं आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी फलतः आर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्य शाली रहेगा तथा सर्वत्र सफलता अर्जित करने में सफल रहेंगे।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोड़े से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथा:-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्विहास्वामिसौम्येत्यशालं प्रपन्ना ।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य ॥

_*__**_****

इस वर्ष में शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा मन में भी प्रसन्ता का भाव विद्यमान रहेगा। कार्य क्षेत्र में इस समय आपकी उन्नति होगी तथा नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण पद के प्राप्ति की संभावना बनेगी। व्यापारिक क्षेत्र में भी आप उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे तथा प्रचुर मात्रा में लाभ अर्जित होता रहेगा। साथ ही व्यापारिक क्षेत्र में विस्तार करने तथा अन्य नवीन कार्यों को प्रारम्भ करने में भी आपको सफलता प्राप्त होगी। इस वर्ष में आपके शत्रु निर्बल रहेंगे अतः चुनाव मुकद्दमे, व्यापारिक क्षेत्र या प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता अर्जित होगी।

इस समय राजनैतिक महत्व के व्यक्तियों अथवा सरकारी उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको यथोचित मात्रा में लाभ एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। साथ ही समाज में आपके प्रभाव एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको यथोचित आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। इस समय आपके समस्त रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे तथा भाग्योदय संबंधी कार्यों में भी वृद्धि होगी। साथ ही अन्य सांसारिक कार्यों में भी सफलता प्राप्त होगी एवं प्रसन्नता के समाचार भी मिलेंगे। इसके अतिरिक्त इस वर्ष में आपको संतति प्राप्ति की भी संभावना रहेगी या उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही वाहन संबंधी सुख की भी प्राप्ति हो सकती है। अतः आप अपने अधिकांश समय को आनन्द पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे।